Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur

Encouraging Research & Strengthening Quality Education

HEART

February 22-23, 2016

Organized by

Higher Education Academy for Research & Training (HEART) Cell

Commissionerate of College Education, Rajasthan, Jaipur

&

Rameshwari Devi Govt. Girls College, Bharatpur

डा. ज्योत्सना भारद्वाज
Joint Director
(ADM)

डा. अशोक कुमार बंसल
प्राचार्य
रामेश्वरी देवी कन्या महाविद्यालय,
भरतपुर

Research & Teaching- Learning Oriented Workshop on

Let's Share & Serve Higher Education

Encouraging Research & Strengthening Quality Education

February 22-23, 2016

Organized by

Higher Education Academy for Research & Training (HEART) Cell
Commissionerate of College Education, Rajasthan, Jaipur
&
Government R. D. Girls' College, Bharatpur, Rajasthan

Programme of the Workshop

Day- 1 **Monday; February 22, 2016**

10.00 – 10.30 am Registration

10.30 – 12.00 Noon Inaugural Function

Welcome	:	**Smt. Usha Agrawal** **Vice Principal** Coordinator, HEART Workshop, R.D. Girls' College, Bharatpur
HEART: Initiation (5 Min)	:	**Dr. Kirti Shekhawat** HEART Cell, CCE, Jaipur
HEART: Our efforts & Achievements (5 Min)	:	**Dr. Jyotsna Bhardwaj** Joint Dir., Administration, CCE, Jaipur
HEART: This workshop Aims & Objectives (10 Min.)	:	**Dr. Vinod K. Bhardwaj** HEART Cell, CCE, Jaipur
Institutional Social Responsibility through Higher Education	:	**Dr. Ramakant Chaturvedi** Vice Principal. Govt. MSJ College, Bharatpur
Chief Guest's Address	:	**Mr. Rahul Prakash, IPS** Bharatpur
Chairperson's Remark (5 Min)	:	**Dr. Ashok Bansal** Principal, R. D. Girls' College, Bharatpur
Thanks	:	**Dr. K.K.Gupta** R. D. Girls' College, Bharatpur

12.00 Noon – 12.30 pm **Tea break**

12.30 – 02.00 pm	Opinions & Observations	Economics: **Dr. Rajni Vashishtha** Sociology : **Dr. Manvendra Chaturvedi** Political sc. : **Dr. Alka Goyal** History : **Mrs. Suman Goyal** Hindi : **Dr. S. R. Lahri** English : **Mrs. Lata Sharma**
02.00 – 02.45 pm	**Lunch**	
02.45 – 03.30 pm	Opinions & Observations	Botany : **Dr. P. K. Sharma** Chemistry: **Dr. Mohan Kumar Sharma** Zoology : **Dr. Sunita Ashre** Physics : **Dr. P. J. Singh**
03.30 – 05.00 pm	Group discussions	Research Initiations in colleges: Areas, inclusions, application

<u>Day- 2</u> **<u>Tuesday; February 23, 2016</u>**

10.00 – 12.00 noon	Group discussions	Application of research in enhancing teaching- learning environment in colleges.
12.00 Noon – 02.00 pm	Group recommendations	Economics: **Dr. Rita Gupta** Sociology : **Dr. Anju Yadav** Political sc. : **Dr. Madhubala Sharma** History : **Dr. D. C. Chaube** Hindi : **Dr. K. C. Goswami** English : **Dr. Shaila Mahan**
02.00 – 02.45 pm	**Lunch**	
02.45 – 3.30 pm	Group recommendations	Botany : **Dr. Karuna Gaur** Chemistry: **Dr. Shilpi Deep Mathur** Physics : **Dr. K. K. Gupta** Zoology : **Dr. Anju Pathak**
03.30 pm	**<u>Valedictory</u>**	
	Chief Guest	: **Mr. Anoop Khinchi, IAS** Commissioner, College Education, Rajasthan, Jaipur

उपस्थिति पत्र दिनांकः 22 फरवरी 2016

क्र. सं.	नाम व्याख्याता	पदस्थापन महाविद्यालय	भूमिका	हस्ताक्षर
1ण	डा. रजनी वषिष्ठ	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
2ण	डा. रीता गुप्ता	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	
3ण	डा. अनिल नागर	राजकीय महाविद्यालय, डीग, भरतपुर	सदस्य	
4ण	डा. लोकेष भट्ट	राजकीय महाविद्यालय, बीबीरानी, अलवर	सदस्य	
5ण	डा. सत्यभान यादव	बी.एस.आर. राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
6ण	श्री षिव षर्मा	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	सदस्य	
7ण	डा. मानवेन्द्र चतुर्वेदी	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
8ण	डा. अन्जू यादव	बी.एस.आर. राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
9ण	डा. विमलेष गुप्ता	बी.एस.आर. राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
10ण	डा. राजेष षर्मा	राजकीय महाविद्यालय. धौलपुर	सदस्य	
11ण	डा. के. के. श्रीवास्तव	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	
12ण	डा. अलका गोयल	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
13ण	डा. मधुबाला शर्मा	राजकीय जी.डी. गर्ल्स महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
14ण	डा. मनोज बेहरवाल	राजकीय मीरा कन्या महा. उदयपुर	सदस्य	
15ण	डा. अरुण अग्रवाल	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	
16ण	डा. मनरुप मीना	राजकीय महाविद्यालय. धौलपुर	सदस्य	
17ण	श्री धर्मवीर मीना	राजकीय महाविद्यालय, बारां	सदस्य	
18ण	श्रीमति सुमन गोयल	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
19ण	डा. डी. सी. चौबे	राजकीय जी.डी. गर्ल्स महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
20ण	डा. नगेन्द्र षर्मा	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	
21ण	डा. रचना मेहता	राजकीय महाविद्यालय. धौलपुर	सदस्य	
22ण	डा. सुदर्षन राठौड	राजकीय मीरा कन्या महा. उदयपुर	सदस्य	
23ण	श्री प्रमोद कुमार	राजकीय महाविद्यालय, बारां	सदस्य	
24ण	डा. एस. आर. लहडी	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
25ण	डा. आई. पी. सिंह	राजकीय कन्या महाविद्यालय. धौलपुर	सदस्य	
26ण	डा. वन्दना गंगवार	राजकीय जी.डी. गर्ल्स महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
27ण	डा. नन्द किषोर मौर्य	राजकीय जी.डी. गर्ल्स महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
28ण	डा. के. सी. गोस्वामी	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	
29ण	श्रीमति लता षर्मा	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
30ण	डा. नीलाभ पंडित	राजकीय आर. आर. कालेज, अलवर	सदस्य	
31ण	डा. सुरेन्द्र सिंह	बी.एस.आर. राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर	सदस्य	
32ण	श्री शैलेन्द्र शर्मा	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	
33ण	डा. शैला महान	व्याख्याता, आयुक्तालय कालेज षिक्षा, जयपुर	सदस्य	
34ण	डा. पी. के. सिंह	राजकीय महाविद्यालय. धौलपुर	सदस्य	
35ण	डा. बृजेष शर्मा	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	

Extension Groups for previous discussions:

क्र. सं.	नाम व्याख्याता	पदस्थापन महाविद्यालय	भूमिका	विषय
36ण	डा. पी. के. शर्मा	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
37ण	डा. करुणा गौड	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	सदस्य	
38ण	डा. मोहन कुमार शर्मा	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
39ण	डा. षिल्पी दीप माथुर	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	सदस्य	
40ण	डा. सुनीता आश्रे	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
41ण	डा. बी. के. गुप्ता	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	सदस्य	
42ण	डा. अंजू पाठक	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	सदस्य	
43ण	डा. पी. जे. सिंह	राजकीय एम.एस.जे. कालेज, भरतपुर	समन्वयक	
44ण	डा. के. के. गुप्ता	राजकीय आर. डी. गर्ल्स कालेज, भरतपुर	सदस्य	

(डा. अशोक बंसल) प्राचार्य		(डा. ज्योत्स्ना भारद्वाज) संयुक्त निदेशक प्रशासन

उपाचार्य एवं समन्वयक
HEART WORKSHOP
रामेश्वरी देवी कन्या महाविद्यालय,
भरतपुर

प्राचार्य एवं संरक्षक
HEART WORKSHOP
रामेश्वरी देवी कन्या महाविद्यालय,
भरतपुर

रामेश्वरी देवी राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, भरतपुर।

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के Higher Education Academy for Research & Training (HEART) प्रकोष्ठ एवं रामेश्वरी देवी राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, भरतपुर द्वारा Encouraging Research & Srengthening Quality Education विषय पर दिनांक 22–23 फरवरी 2016 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों के मानविकी विषयों–अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिविज्ञान, इतिहास, हिन्दी तथा अंग्रेजी के साथ Extension Group के रूप में विज्ञान विषयों–प्राणिशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, रसायनशास्त्र एवं भौतिकशाास्त्र के 39 व्याख्याताओं ने भाग लिया।

कार्यशाला के उद्देश्य

1. राजकीय महाविद्यालयों में शोधकार्य को प्रोत्साहित करना।
2. शोध निदेशकों एवं शोधार्थियों को शोधकार्यार्थ समुचित वातावरण व संसाधन उपलब्ध कराना।
3. शोध परिणामों की गुणवत्ता एवं उपादेयता को आमजन तक पहुँचाने के लिए शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों को समाज के साथ जुडकर कार्य करने को प्रोत्साहित करना।
4. संकाय सदस्यों को शोध एवं शैक्षणिक उन्नयन हेतु अन्तर्विभाग स्तर पर संवाद/परिचर्चा को बढ़ावा देना।
5. भाषा विषय में शोध में गुणात्मक एवं परिणामात्मक अभिवृद्धि हेतु भाषा लैब के साथ नवीन तकनीक के प्रयोग को प्रोत्साहित करना।
6. उच्च शिक्षा में ICT (Information & Communication Technology) के प्रयोग को प्रोत्साहित करना।

7. विद्यार्थियों में शोध तथा व्यावहारिक कौशल (Research Soft Skills) - शोध प्रविधि (Research Methodology), पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग, प्रभावी लेखन व प्रस्तुतिकरण, नेतृत्व कौशल आदि को बढ़ावा देना।
8. पाठ्यक्रम को अधिक रूचिकर बनाने हेतु नवीन विचारों का समावेश करना।

कार्यशाला का विवरण

उद्घाटन सत्र

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के HEART प्रकोष्ठ एवं रामेश्वरी देवी राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय भरतपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में राजकीय महाविद्यालयों में शोध प्रोत्साहन एवं शोध निष्कर्ष आधारित शिक्षण–अध्ययन पद्धति उन्नयन हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों के व्याख्याताओं ने भाग लिया।

इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक श्री राहुल प्रकाश, अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. ए.के. बंसल समन्वयक उपाचार्य श्रीमती उषा अग्रवाल, मुख्य वक्ता डा. रमाकान्त चतुर्वेदी, उपाचार्य एम एस जे कॉलेज के साथ आयुक्तालय से डॉ. विनोद कुमार भारद्वाज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन, सरस्वती वन्दना एवं अतिथियों के स्वागत से हुआ।

कार्यशाला समन्वयक श्रीमती उषा अग्रवाल ने विषय का प्रतिपादन करते हुए कहा कि वर्तमान में उच्च शिक्षा में शोध उन्नयन एवं गुणात्मक परिवर्तन की दशा एवं दिशा पर इस कार्यशाला में गहन विचार विमर्श होगा। नवीनतम नीति और संचार क्रान्ति के प्रभाव से मानवीय संम्बधों का पुनर्निर्धारण हो रहा है। उन्होनें विश्वास जताया कि कार्यशाला के विषय की समस्त समस्याओं के समाधान की एक नई राह निकलेगी तथा इस दो दिवसीय कार्यक्रम में शोध प्रोत्साहन तथा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता वृद्धि हेतु मंथन के लिये प्रतिभागियों का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि श्री राहुल प्रकाश ने कहा कि वर्तमान में शोध की उपादेयता क्या है, शोधकार्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है कि नहीं, इस पर जो भी निर्णय होगें उनसे निश्चित ही नवीन शोध को नई दिशा मिलेगी। इससे सामाजिक समस्याऐं तो दूर होंगी ही नीति निर्धारक को भी नये आयाम प्राप्त होगें।

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के डॉ. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया कि राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति के तहत HEART सैल की स्थापना आज से 10 वर्ष पूर्व हुई थी। राजकीय महाविद्यालयों में ऐसा वातावरण बने जहाँ हम शोध से जुड़कर उच्च कोटि के अध्ययन एवं शोध सुविधाओं का सुन्दर वातावरण बना सकें। राजकीय महाद्यिालयों के विद्वान प्राध्यापक अपने नवीन शोध को दूसरे विभागों के प्राध्यापकों के साथ संवाद स्थापित कर नये मानदंड का निर्माण करें। स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं को शोध के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस कार्यशाला से प्राप्त नूतन दिशा निर्देश संस्तुति के साथ उच्च शिक्षा विभाग को क्रियान्वयन हेतु भेजे जायेंगे।

मुख्य वक्ता के रूप में एम.एस.जे महाविद्यालय के उपाचार्य डॉ. रमाकान्त चतुर्वेदी ने उच्च शिक्षा, संस्था एवं सामाजिक दायित्व विषय पर अपने उद्‌बोधन में बताया कि आज की भटकती युवा शक्ति को अध्ययनोन्मुखी करने एवं शोध के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए उनके सर्वांगीण विकास की बात करनी होगी एतदर्थ नीतिनिर्धारक, तकनीक, सामाजिक उन्नयन, स्वास्थ्य एवं मानवोत्थान, शिक्षण एवं शोध तथा वातावरण के विभिन्न बिन्दुओं पर समग्रता से विचार करना होगा तभी हम समाज को नवीन सृजन एवं नया शोध प्रदान कर पायेंगें। आज आवश्यकता है शोध को समाजानुसार करने की जो प्रासंगिक भी होगा इसके लिए उन्होंने छात्रों व प्राध्यापकों को समाज में स्वयं जाकर कार्य करने पर बल दिया।

प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार बंसल ने इस कार्यशाला को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अच्छी शुरूआत बताई। प्राध्यापक एवं छात्र अपने सोच को ठोस परिणाम दें, उद्योग एवं अनुसंधान को साथ–साथ मिलकर कार्य करने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि अन्तर्विभागीय एवं बहुविभागीय सहयोग के आधार पर कार्य होना चाहिये। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी ठोस निष्कर्षों पर पहुँचेगें।

विचार अभिव्यक्ति प्रथम सत्र

विचार अभिव्यक्ति के प्रथम सत्र में विभिन्न विषयों के विषय समन्वयकों ने अपने–अपने विचार रखे जिसमें अर्थशास्त्र विषय की समन्वयक डॉ. रजनी वशिष्ठ ने पाठ्‌यक्रम को विभिन्न भागों जैसे माईनर, मेजर, समूह संवाद, साहित्य रिव्यू आदि में विभाजित करने तथा उसमें शोध बिंदुओं को शामिल करने को कहा। उन्होंने पाठ्‌यक्रम में अर्थशास्त्र संबन्धी रूल्स एवं तकनीक की आवश्यकता पर जोर दिया। विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर के आर्थिक सर्वेक्षण पर शोध करने को प्रेरित करें जो समाज को साक्षात लाभ देगा। स्नातकोत्तर छात्रों को सरकारी अथवा निजी संस्थाओं में इंटर्नशिप आवश्यक होनी चाहिये।

समाजशास्त्र विषय के समन्वयक डॉ. मानवेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि महाविद्यालयों में स्नातक स्तर से ही वैज्ञनिक शोध की प्रवृति छात्र–छात्राओं में जाग्रत करनी चाहिए। शोधकार्य समाज में सामान्य किन्तु महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा है। पाठ्‌यक्रमों में रटने की प्रवृति को हतोत्साहित करते हुए मौलिक विचार अभिव्यक्ति को प्राथमिकता देनी चाहिए। पर्यावरण और समाजशास्त्र का शोधपरक अध्ययन आज की ज्वलन्त आवश्यकता है।

राजनीतिक विज्ञान विषय की समन्वयक डॉ. अलका गोयल ने उच्च शिक्षा में शोध को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान पाठ्‌यक्रम में बदलाव की बात करते हुए कहा कि छात्र–छात्राओं को स्नातक स्तर पर राजस्थान की राजनैतिक व्यवस्था तथा स्नातकोत्तर स्तर पर भारतीय राजनैतिक व्यवस्था का प्रायोगिक ज्ञान कराना चाहिए। हमारे छात्र–छात्राओं को प्राचीन भारतीय राजनैतिक व्यवस्था, संसद सत्र का संचालन प्रायोगिक रूप से होना चाहिये साथ ही सतत् मूल्यांकन पद्धति की प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिए।

इतिहास विषय की समन्वयक श्रीमती सुमन गोयल ने कहा कि महाविद्यालय में एक वर्ग में विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के करण छात्र–शिक्षक समन्वय का अभाव रहता है। स्नातक स्तर पर लघु शोध लेखन, कॉलेज स्तर पर शोध इकाई के गठन के साथ, ऐतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों के भ्रमण के साथ जिला इतिहास का भी अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए। उच्च शिक्षा से प्राप्त परिणामों के अध्ययन की व्यवस्था के साथ व्यवसाय परक शिक्षा व्यवस्था पर भी विचार चाहिए।

हिन्दी विषय के समन्वयक डॉ. सीताराम लहरी ने कहा कि शोध कार्य एक साधना है इसमें एकाग्रता, चिन्तन एवं मनन की आवश्यकता है। स्वयं में गुणात्मक सुधार होने पर ही शैक्षणिक वातावरण और शोध से जो परिणाम आयेंगे वे समाज के लिए उपादेय होगें। स्नातक स्तर पर सेमीनार के आयोजन के साथ राजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम पर विचार करना चाहिए।

अंग्रेजी विषय की समन्वयक श्रीमती लता शर्मा ने बताया कि भाषा विषय समूहों के लिए एक भाषा लैब की नितान्त आवश्यकता है तथा कम्प्यूटर में प्रशिक्षण, पी.जी. कक्षाओं की आवश्यकता, जिला स्तर पर कॉमन पुस्तकालय, पूर्व छात्रों एवं अभिभावकों का महाविद्यालय के साथ सक्रिय जुड़ाव सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

विचार अभिव्यक्ति द्वितीय सत्र

द्वितीय सत्र में वनस्पति शास्त्र के समन्वयक डॉ. पी.के. शर्मा ने विदेशों का उदाहरण देते हुए 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों का अभिरूचि परीक्षण करा कर अपने रूचि के विषयों के चयन की स्वतन्त्रता होने पर बल दिया ताकि वे पूर्ण रूचि के साथ इस विषय में शोध के लिये प्रेरित हों। शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने का कार्य करें जिसके लिये उचित शिक्षक–विद्यार्थी अनुपात होना आवश्यक है। पी.जी. विद्यार्थियों को सेमीनार प्रस्तुतियॉ पावर पॉइन्ट के द्वारा दिलाई जावें, स्थानीय पाठ्यक्रम का समावेश हो, अच्छी किताबें पुस्तकालय में उपलब्ध हों तथा प्रयोगशालाओं के उपकरणों का सही रखरखाव सुनिश्चित हो।

प्राणिशास्त्र विषय के डॉ. बी.के. गुप्ता ने बल दिया कि उच्च गुणवत्ता शिक्षण हेतु समर्पित शिक्षक जो कि अच्छी नवीन जानकारियाँ विद्यार्थियों को उपलब्ध करायें तथा अपनी नवीन शोध को प्रकाशित करा कर समाज तक पहुँचायें। विद्यार्थियों को ई–बुक्स तथा इन्टरनेट पर उपलब्ध पाठ्य सामग्री की जानकारी दी जाये। सह पाठ्येत्तर गतिविधियों के अन्तर्गत विद्यार्थियों को पावर पॉइन्ट द्वारा सेमीनार प्रस्तुति हेतु प्रेरित किया जावे। विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण पर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों तथा फील्ड वर्क पर ले जाने से उनके ज्ञान में वृद्धि होगी। संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया जावे। अन्तर्विभागीय गतिविधियों के लिए शिक्षक विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जावे।

भौतिक शास्त्र विषय के समन्वयक डॉ. परमजीत सिंह ने परम्परागत शिक्षण पद्धतियों में सुधार कर विज्ञान व तकनीकि की नवीन चुनौतियों को स्वीकार करने पर जोर दिया। अन्तर विभागीय शोध कार्य को बढ़ावा दिया जाना चाहिये। एम.एस.सी. स्तर पर विद्यार्थियों के लिये परियोजना कार्य आवश्यक हो। महाविद्यालय परिसर में वाई–फाई सुविधा उपलब्ध हो। प्रयोगशाला में अच्छे उपकरणों हेतु राशि उपलब्ध कराई जावे। प्रयोगशाला सहायक आवश्यक रूप से प्रत्येक प्रयोगशाला में पदस्थापित हो।

रसायनशास्त्र विषय की व्याख्याता डॉ. शिल्पीदीप माथुर ने यू.जी. स्तर से ही विद्यार्थियों को शोध हेतु प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। आई.सी.टी. को अध्ययन व अध्यापन का आवश्यक भाग बनाया जावे। Virtual labs की स्थापना की जाय तथा उनके प्रयोग को बढ़ावा दिया जावे। शिक्षक–विद्यार्थी अनुपात सही होने पर ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सम्भव है।

इस अवसर पर HEART समिति सदस्यों में श्री निरंजनसिंह, डा. के के गुप्ता, डा. अंजु पाठक, डा. लालाशंकर गयावाल, डा. मानवेन्द्र चतुर्वेदी आदि का सक्रिय का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती लताशर्मा ने किया।

समूहचर्चा एवं अनुशंसा सत्र

(Group Discussions & Recommendations)

समूहचर्चा एवं संस्तुति (Group Discussions & Recommendations) के सत्र में सभी विषयों के समन्वयकों ने अपने–अपने समूह के विद्वान सदस्यों के साथ गहन विचार–विमर्श कर अपने अपने समूह की संस्तुतियाँ प्रस्तुत की। जिनका विवरण इस प्रकार है –

राजनीति विज्ञान समूह की संस्तुतियाँ

1 रिसर्च कराने वाले व्याख्याता के लिए महाविद्यालय में उस विषय में स्नातकोत्तर कक्षा होना आवष्यक है, यह प्रतिबंध हटना चाहिए जिससे शोध को बढ़ावा मिले। जो व्याख्याता लम्बे समय से स्नातक स्तर के महाविद्यालय में कार्यरत हैं उनको शोध कराने हेतु 5 वर्ष का पी. जी. पढ़ाने के अनुभव का प्रतिबंध समाप्त हो।

2 शोध को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय में 'अन्तर अनुशासनात्मक फोरम' का गठन हो, जो कि सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्य एवं पी.जी. विद्यार्थियों के लिए अलग–अलग हों।

3 महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर 'प्रोजेक्ट स्टडी' का विकास किया जाए इसमें नियमित विद्यार्थियों के लिए राजनीति विज्ञान विषय में मतदान प्रक्रिया, लोकतंत्र, अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय व स्थानीय राजनीति में आ रही नवीन प्रवृतियों जैसे मुद्दों पर 50 अंक का प्राजेक्ट वर्क षिक्षक के मार्गदर्षन में तैयार किया जाना चाहिए।

4 संभाग स्तर पर एक सेंट्रल लायब्रेरी हो, जिससे संभाग स्तर के सभी महाविद्यालय संबद्ध हों।

5 Choice based credit system या सेमिस्टर सिस्टम प्रारंभ किया जाए जिससे विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन हो सके।

6 महाविद्यालय में पी.जी. के नियमित विद्यार्थियों के लिए लघु शोध पत्र अनिवार्य प्रष्न पत्र के रूप में सम्मिलित किया जाए।

7 महाविद्यालय में पी.जी. स्तर पर राजनीति विज्ञान विभाग की विद्यार्थी समिति द्वारा वर्षभर की गतिविधियों जैसे सेमीनार, प्रष्नोत्तरी, वाद–विवाद आदि का आयोजन किया जाए।

8 राजनीति विज्ञान में सामाजिक सरोकार एवं विषय को प्रासंगिक बनाने हेतु 'सामूहिक क्षेत्रीय अध्ययन' पर बल दिया जाना चाहिए इसके लिए षिक्षक व विद्यार्थी स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा आम जनता से मिलकर स्थानीय समस्याओं का अध्ययन करें व समाधान हेतु सुझाव सरकार तक पहुँचायें।

9 राजनीति विज्ञान में शैक्षणिक भ्रमण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

10 राजगारोन्मुख व मूल्यपरक षिक्षा प्रदान की जाए।

11 महाविद्यालयों में राजनीति विज्ञान की अध्ययन सामग्री के एकत्रीकरण हेतु राजनीति विज्ञान विभाग के स्तर पर 'E – Repositry' की स्थापना की जाए।

12 स्नातक स्तर पर ''राजस्थान की राजव्यवस्था'' प्रष्न पत्र प्रारंभ किया जाए एवं अप्रासंगिक प्रष्न पत्रों को हटाया जाए। उभरते हुए नवीन विषयों जैसे राजनीति विज्ञान, भूगोल, राजनैतिक, अर्थषास्त्र आदि समेकित विषयों को राजनीति विज्ञान का अंग बनाया जाए।

13 राजनीति में प्राचीन भारतीय राजनीतिक संस्थाओं के स्वरूप व योगदान को उभारा जाए।

14 महाविद्यालयों के अध्ययन कक्षों में श्यामपट्ट पद्धति के साथ 'प्रोजेक्टर स्टडी' पद्धति का विकास किया जाए।

इतिहास समूह की संस्तुतियाँ

1 छात्र एवं शिक्षक अनुपात की पालना होनी चाहिए। रिक्त पदों पर भर्ती की जाये।

2 महाविद्यालय में E – Library की व्यवस्था का लाभ प्राध्यापक एवं छात्रों को मिले जिससे कि छात्रों को विषय की नवीनतम जानकारी प्राप्त हो सके। इस हेतु छात्रों को इन्टरनेट लाइब्रेरी प्रयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाये।

3 शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रोजेक्टर का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। छात्रों के समक्ष इतिहास से सम्बन्धित मानचित्रों, ऐतिहासिक कालक्रम, प्राचीन सिक्के, अभिलेखों, स्मारकों को बेहतर ढंग से प्रदर्शित कर समझाया जा सकता है।

4 E – Notes का अधिकाधिक प्रयोग कर उन्हें छात्रों को उपलब्ध कराया जा सकता है।

5 स्नातक (फाइनल) में छात्रों का समूह बनवाकर सेमिनार/समूह चर्चा करवाई जानी चाहिए। इस हेतु विषय विशेषज्ञों को भी आमन्त्रित किया जा सकता है।

6 छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान देने हेतु ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाये तथा उन पर प्रोजेक्ट बनवाये जाने चाहिए।

7 ऐतिहासिक स्थानों एवं घटनाओं की Historical Documentery Film C.D. महाविद्यालय द्वारा खरीदकर महाविद्यालयों में छात्रों को प्रदर्शित कराई जायें, जिससे उन्हें वास्तविक व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त हो सकें।

8 इतिहास को समाज विज्ञान के अन्य विषयों से जोड़कर अध्ययन कराया जाना आवश्यक है जिससे छात्र बहुआयामी ज्ञान प्राप्त कर सकें एवं एक अन्तर्विषयक शोध इकाई का गठन किया जाये।

9 स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम में शॉर्ट प्रोजेक्ट को समाविष्ट किया जाये।

10 पाठ्यक्रम में संभागवार स्थानीय इतिहास का समावेश किया जाये ताकि विद्यार्थी अपने स्थानीय इतिहास को जान सकें।

11 पाठ्यक्रम में राजनीतिक इतिहास के साथ ही नवीन अनुसंधानों के परिणामों का समावेश किया जाए एवं तदनुसार पाठ्यक्रमों में संशोधन हो।

12 महाविद्यालय में छात्रों को ऐसे प्रषिक्षण दिये जायें, जिससे इतिहास विषय के छात्र गाइड आदि के रूप में विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों पर नौकरी प्राप्त कर सकें। इस हेतु विभिन्न संग्रहालयों के अधिकारियों को प्रषिक्षण हेतु आमन्त्रित किया जाए।

13 पाठ्यक्रम देष की समसामयिक आवष्यकताओं के अनुसार होना चाहिए।

14 पाठ्यक्रम एवं परीक्षा प्रणाली प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुसार होनी चाहिए।

15 विष्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों का पदनाम एक ही हो । ऐसा न होने से भेदभाव होता है।

16 भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रष्नपत्र सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में पूर्व की भाँति अनिवार्य हो ताकि छात्रो को सभ्यता, संस्कृति का ज्ञान दिया जा सके।

17 इतिहास विभाग को स्थानीय संग्रहालयों के साथ मिलकर छात्रों के Placement की व्यवस्था करनी चाहिये।

18 राजस्थान में प्रतिवर्ष Pre.Ph.d. Test का संयुक्त रूप से आयोजन हो जिससे राजकीय महाविद्यालयों के व्याख्याताओं को मुक्त रखा जाए ताकि वे सेवाकाल में शोधकार्य कर सकें।

19 शोध निर्देषक के लिए U.G एवं P.G. महाविद्यालय की बाध्यता को समाप्त किया जाये ताकि अधिक शोध निर्देषक मिल सकें एवं अधिकाधिक छात्र शोध कर सकें।

20 महाविद्यालयों में किये जाने वाले शोध की पूरी प्रक्रिया का सम्पादन एक आयुक्तालय स्तर पर गठित शोध समिति के द्वारा किया जाना चाहिए।

21 यू.जी. एवं पी.जी. महाविद्यालयों में शोध केन्द्र स्थापित किये जायें। जिससे यू.जी. महाविद्यालयों में भी शोधकार्य हो सके और NAAC, RUSA में महाविद्यालय को अच्छी ग्रेडिंग में लाभ मिल सके।

22 पुस्तकालयों में Journal मंगाने के लिए अलग से फंड की व्यवस्था हो इससे शोध Journal मंगाये जायेंगे एवं शोध का स्तर उच्च होगा।

अर्थशास्त्र समूह की संस्तुतियाँ

ECONOMICS

1. Encouraging Students for field work.
2. Revising syllabus – including research topics related with field work
3. Teaching research tools with incorporation with syllabus.
4. Dividing students into groups and every group should have a supervisor.
5. Marks for teacher interaction – criteria of quality and quantities.
6. Dividing syllabus for evaluation – 2 minors, 1 major, group discussion, literature review and term paper for PG students.
7. Foundation courses from first year and PG.
8. College infrastructure – Wi-Fi, computer lab
9. Local research – Bharatpur economy
10. Entrance exam should have in PG.

हिन्दी समूह की संस्तुतियाँ

हिन्दी विषय में शैक्षणिक एवं शोध– गुणवत्ता के सुधार हेतु करणीय बिन्दुः– (कार्यशाला दिनांक 22.02.2016 से 23.02.2016)

शैक्षिक स्तर में सुधारः–

1. विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी तथा अन्य संस्थानों की परीक्षाऐं महाविद्यालयों में केवल ग्रीष्मावकाश में आयोजित हों ताकि पढाई निर्विघ्न हो सके।
2. विद्यार्थियों को अपनी रूचि के अनुसार विषय – चयन की स्वतंत्रता हो।
3. भाषा सम्बन्धी सुधार हेतु सेमिनारों का आयोजन द्वैमासिक रूप से विभागों में हो।
4. पुनष्चर्या पाठ्यक्रमों में महाविद्यालय के विद्धमानों को विषय विषेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया जाए।
5. अंकों के अभिनन्दन के स्थान पर योग्यता के प्रोत्साहन का वातावरण बनें।
6. पुनष्चर्या कार्यक्रम महाविद्यालयों में आयोजित करने का प्रावधान हो।
7. एक सैक्षन में स्नातक स्तर पर 60 से अधिक विद्यार्थी ना हों।

शोध कार्य गुणात्मक सुधारः–

1. हर प्राध्यापक से शोध कार्य की अपेक्षा न की जाऐ। जिनकी प्रकृति और रूचि शोध कार्य में हो उन्हींको इस ओर प्रोत्साहित किया जाऐ।
2. महाविद्यालय स्तर पर संकाय सदस्यों में शोध कार्य के प्रति गुणात्मक सुधार के लिए शोध कार्य निष्पादित कर रहे शोध संस्थानों के साथ कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाऐ।
3. शोध को समाजोपयोगी बनाने के लिए सर्व प्रथम छात्रों मे अभिरूचि जाग्रत कर उन्हें प्ररित किया जाऐ।

प्राणीशास्त्र समूह की संस्तुतियाँ

1. अध्ययन–अध्यापन व शोध कार्य को सम्पादित करने के लिये चार घटकों की आष्यकता होती है –

1. शिक्षक
2. विद्यार्थी
3. विषय वस्तु व
4. समाज

2. षिक्षक को नूतन ज्ञान को अर्जित कर विद्यार्थियों एवं अन्य संकाय सदस्यों तथा समाज के साथ साझा करना चाहिये। अर्जित ज्ञान को (शोध कार्य) प्रकाषित करना षिक्षक हित में मुख्य अकादमिक गतिविधि है।

3. महाविद्यालय स्तर पर एक फोरम का गठन किया जाय जिसमें संकाय सदस्यों के नवीन शोध कार्य व अकादमिक गतिविधियों को साझा कर चर्चा की जाये।

4. सभी षिक्षकों एवं विद्यार्थियों को ICT का प्रषिक्षण अनिवार्य कर E – Library की सुविधा महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग में उपलब्ध करायी जावें।

5- सह–षैक्षणिक गतिविधियों में निम्न गतिविधियाँ करायी जावें–

- Students Seminar
- . Field Study
- . Poster , Chart & Model
- राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों का भ्रमण
- संगोष्ठियों में भाग लेना
- राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वानों के व्याख्यान

उक्त सभी गतिविधियों का लाभ सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में दिया जाय।

6. महाविद्यालयों मे शोध का वातावरण निम्न बिन्दूओं के आधार पर बनाया जाय –

1. UG एवं PG विद्यार्थियों को षिक्षकों के निर्देशन में लघु शोध परियोजना स्थानीय एवं समसामयिक समस्याओं को आधार मानते हुए आवष्यक होनी चाहिये। इन परियोजनाओं हेतु DST / ICAR / ICHR / ICMR द्वारा आर्थिक सहायता राषि प्रदान किये जाने का प्रावधान है। उक्त शोधकार्य अन्तर्संकाय प्रारूप में संम्पादित किया जाना अत्यधिक प्रभावषाली होगा।

7. शिक्षकों को शोध प्रोत्साहन हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त लाभ जो कि 2002 में बन्द कर दिये गये थे, पुनः प्रारम्भ करने की अनुषंसा की जाती है।

8. षिक्षको को सम्बन्धित विषय में शोध परियोजनाओं हेतु UGC / RUSA / ICMR / ICHR आदि में आवेदन हेतु प्रेरित करना चाहिये । उक्त परियोजनाओं को षिक्षक द्वारा संचालित करने में महाविद्यालय प्रषासन का पूर्ण सहयोग अपेक्षित है।

9. शिक्षकों द्वारा किया गया शोध कार्य अर्न्तसंकाय प्रवृत्ति का होना अपेक्षित होना चाहिये।

10. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं (Research Journals) में शोध – पत्र प्रकाशित करने के लिये राषि उपलब्ध करायी जाये।

11. शोध कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ भागीदारी को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।

12. शोध कार्य की गुणवत्ता समाज के लिये उपयोगी एवं लाभप्रद होनी चाहिये। उदाहरण के लिये भरतपुर में जल संरक्षण एवं प्रबंधन पर किये गये शोध कार्य का लाभ डीग एवं कामां के निवासियों को प्रचार माध्यम द्वारा दिया गया।

13. प्राणिषस्त्र विषय के विद्यार्थियों को विच्छेदन की जानकारी अत्यन्त आवष्यक है। इस हेतु प्रचुरता में उपलब्ध मछलियों तथा हानि पहुॅचाने वाले जीव–जन्तु जैसे – चूहे, कीट आदि के विच्छेदन की अनुमति दी जाय।

14. महाविद्यालयों में वर्षपर्यन्त आयोजित होने वाली परीक्षायें (B.Tech, M.Tech, B.Ed, MBA, PGDCA, BBA, Polytechnic, ITI आदि) के कारण अध्ययन कार्य अत्यधिक प्रभवित हो रहा है। अतः उक्त परीक्षाओं के केन्द्र महाविद्यालयो में न रखे जाये।

15. UG कॉलेज में कार्यरत व्याख्याताओं को PG Teaching Experience हेतु PG महाविद्यालय में पदस्थापित किया जाय। एवं जिन UG महाविद्यालय में छात्रों की संख्या अधिक है वहाँ PG कक्षायें प्रारम्भ की जावें।

16. प्राणिषास्त्र विषय में Central instrumentation Facility की सुविधा शोध कार्य के लिये आवष्यक है।

<u>वनस्पतिशास्त्र समूह की संस्तुतियाँ</u> Botany

हमने हमारे ग्रुप की Recommendations को Mainly 4 lavels में deivide किया है –

1- Teacherlevel –

1. Teacher को अपने Subject में Update होना चहिये ताकि वह Students में Subject के प्रति Instrerest Devlop कर सके और उसे Research के प्रति Orient कर सके।
2. Skilled Students को Select कर Research के लिये Motivate करना चाहिये।

3. Students के लिये Regular interval पर Seminars, Field work, Extension Lectures, group discussions, Competitions ect. ळोने चाहिये। जिससे हमें उनकी प्रतिभा का पता चल सके।
4. Value based research होनी चहिये।
5. Deptt में E-libroary होनी चाहिसे जो Students की Approach में भी होनी चाहिये।

2- UG Level –

1- Students को Job Oriented Skills देनी चहिये ताकि वह Un-employed न रहें। Botany में जैसे Mushroom culture, Floriculture, Aquaculture, Hydroponics, Bio fertilizers & Biogas plant ect. इससे tcstudents में self confideuce आयेगा और वह आगे Innovation के बारे में सोच प्येगा। और उसकी सोच समाज के लिये भी useful हो सकेगी।

2. Students को Research के bene fits के बारे में बताना और motivate करना।

3. यदि कोई Students Inovative Idea लाता है तो उसे Reward देना ताकि और लोग भी प्रोत्साहित हो सकें।

4- UG के तीनों बर्षों के Curriculaum में Seminar / Workshop को आवष्यक रूप से सम्मिलित किया जाये।

3- PG Level –

1- PG Students को Research Methodology के बारे में बताया जाना चाहिये। और यह University के Syllabi का आवष्यक अंग हो।

2- M.Sc. Final – One Paper or project Should be of applied botany like bio-diversity Conservation, Water Conservation techniques Bio fertilizers, Water management etc. [eg- Water management by eco friendly Method]

3- Visit of Established Research lab of universities and institutions

4-

4- University Level / College Level –

1- UG Level के facility members को Research करवाने की अनुमति मिलनी चाहिये।

2- Applied Botant के क्षेत्रीय विषेषज्ञों को BOS and Academic meetings में बुलाया जाय।

3. College में NET/SET की कक्षाओं को ऑनलाईन तथा ऑफलाईन होना चाहिये। इसमें विषय विषेषज्ञों के व्याख्याता होने चाहिये।

भौतिकशास्त्र समूह की संस्तुतियाँ

भौतिक शास्त्र विभाग

1. बी.एस.सी. प्रथम में प्रवेष हेतु 12वीं के केवल सैद्धान्तिक विषयों के आधार पर मैरिट लिस्ट तैयार की जाऐ।
2. एम.एस.सी में प्रवेष हेतु राज्य स्तर पर संयुक्त प्रवेष परीक्षा आयोजित की जाऐ।
3. महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या के अनुपात में परियाप्त षिक्षकों का पदस्थान किया जाए।
4. परीक्षा प्रणाली में प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप सुधार किया जाऐ।
5. बी.एस.सी. फाइनल में Group Discussion / Seminar एवं एम.एस.सी फाइनल में च्तवरमबज का समावेश किया जाऐ।
6. शोध हेतु राज्य स्तर पर प्रतिवर्ष Pre. Ph.D. परीक्षा आयोजित की जावे। यह व्यवस्था निजि विष्वविद्यालयों में भी जारी की जाऐ।
7. शोध निर्देषक के लिए यू.जी. एवं पी.जी. कालेज की वाध्यता समाप्त की जाए।
8. शोध निर्देषक को शोध परिलाभ भी दिया जाए।
9. सभी महाविद्यालयों में Free Wi-Fi की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। E-Library की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
10. यू.जी. एवं पी.जी के पाठ्यक्रमों में समयानुसार परिवर्तन किया जाए।
11. महाविद्यालयों में रिक्त पडे प्रयोगषाला सहायकों एवं प्रयोगषाला सहकर्मियों के पद को अबिलम्ब भरा जाए।

12- यू.जी. महाविद्यालयों में कम से कम 2 लाख तथा पी.जी. महाविद्यालयों में 5 लाख रूपये उपकरण क्रय हेतु प्रतिवर्ष अनुदान दिया जाए।

रसायनशास्त्र समूह की संस्तुतियाँ Chemistry

ASPECTS

1. 1 RESEARCH AND TEACHING
2. VIRTUAL TEACHING IN CHEMISTRY

1 RESEARCH AND TEACHING

1. Under graduate / Post graduate students should be encouraged to under take research projects under their mentor who are the faculty of the departments.
2. At under graduate level if they do same project they can go for PG in Applied chemistry, too, like in Nuclear chemistry, Space research, pharmaceutical chemistry,

Agriculture, Pelioleum, Bio chemistry, so industrial they chemistry get good job opportunities in various fields like BAARC, ISRO, Pelioleum companies, pharmaceutical compares, various industries, as faculties in Bio chemistry at Medical college.

3. Writing dissertation / Thesis at under graduate lavel will facilitate their caliber to be shown in PG classes in future.
4. Specifically at under graduate lavel departments faculties will also be engaged with there students in Academic activities apart from their regular teaching.
5. Many university are running research projects at UG Levels. The work of students is being appreciated sometime getting awards.

2 VIRTUAL LABS IN CHEMISTRY

1. For effective teaching with limited infra structure virtual labs can be set up in department. For this purpose proper ICT facilities are required in the department.
2. Students are expected to take more interest while working with simulation which they can practice at home also.

This will enhace their aliulity to visualize and analyze the subject deeply.

Participating Groups

Political Science :-	1. Dr. Alka Goyal (Coordinator)	R.D. Girls College, Bharatpur
	2. Dr. Madhubala Sharma	G.D. Girls College, Alwar
	3. Dr. Arun Agrawal	M.S.J. College, Bharatpur
	4. Dr. Rajdulari Mathur	M.S.J. College, Bharatpur
	5. Smt. Deepti Agarwal	R.D. Girls College, Bharatpur
	6. Dr. Manroop Meena	Govt. College, Dholpur
History:-	1. Smt. Suman Goyal (Coordinator)	R.D. Girls College, Bharatpur
	2. Dr. D.C. Chaube	G.D. Girls College, Alwar

	3. Dr. Nagendra Sharma	M.S.J. College, Bharatpur
	4. Dr. Rachana Mehta	Govt. College, Dholpur
	5. Dr. Manoj Sinsinwar	M.S.J. College, Bharatpur
Economics:-	1. Dr. Rajani Vashishtha (Coordinator)	R.D. Girls College, Bharatpur
	2. Dr. Rita Gupta	M.S.J. College, Bharatpur
	3. Dr. Anil Nagar	M.A.J. College, Deeg
	4. Dr. Lokesh Bhatt	Govt. College, Bibi Rani, Alwar
	5. Sh. Shiv Sharma	R.D. Girls College, Bharatpur
Sociology:-	1. Dr. Manvendra Chaturvedi (Coordinator)	R.D. Girls College, Bharatpur
	2. Dr. Anju Yadav	B.S.R. Govt. College, Alwar
	3. Dr Vimlesh Gupta	B.S.R. Govt. College, Alwar
	4. Dr. Rajesh Sharma	Govt. College, Dholpur
	5. Dr. K.K. Shrivastava	M.S.J. College, Bharatpur
Hindi:-	1. Dr. S.R. Laheri (Coordinator)	R.D. Girls College, Bharatpur
	2. Dr. I.P. Singh	Govt. Girls College, Dholpur
	3. Dr. Vandana Gangwar	G.D. Girls College, Alwar
	4. Dr. Nand Kishore Maurya	G.D. Girls College, Alwar
	5. Dr. K.C. Goswami	M.S.J. College, Bharatpur
English	1. Smt. Lata Sharma (Coordinator)	R.D. Girls College, Bharatpur
	2. Dr. Nilabh Pandit	R.R. College, Alwar
	3. Dr. Surendra Singh	B.S.R. Govt. College, Alwar
	4. Dr. P.K. Singh	Govt. College, Dholpur
	5. Dr. Brijesh Sharma	M.S.J. College, Bharatpur

EXTENSION GROUPS

Chemistry	1. Dr. Mohan Kumar Sharma	M.S.J. College, Bharatpur
	2. Dr. Shilpi Deep Mathur	R.D. Girls College, Bharatpur
Physics	1. Dr. P.J. Singh	M.S.J. College, Bharatpur
	2. Dr. K.K. Gupta	R.D. Girls College, Bharatpur

Zoology	1. Dr. B.K. Gupta	M.S.J. College, Bharatpur
	2. Dr. Anju Pathak	R.D. Girls College, Bharatpur
Botany	1. Dr. P.K.Sharma	M.S.J. College, Bharatpur
	2. Dr. Karuna Gaur	R.D. Girls College, Bharatpur

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur

HIGHER EDUCATION
INSTITUTIONS
AND SOCIAL
RESPONSIBLITIES

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Workshop on
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education

Rameshwari Devi Govt. Girls P.G. College, Bharatpur
Encouraging Research &
Strengthening Quality Education